%%A. D. 1190‒1436

%%Ś. 1112‒1358

%%( From 1184—19-9-1264 A. D.)

%%p. 132

No. 087

Kūrmeśvara Temple at Śrīkūrmaṃ<1>

( S. I. I. Vol. V, No. 1293; A. R. No. 376-D of 1896 )

Ś. 1168<2>

S & T

(१।) [स्व]स्ति [।।] शाकाब्दे कुंभ्भि-तर्क्क-क्षिति-शशिगणि-

(२।) ते श्रावणेमासि शुक्ले सप्तम्या[ं] सौ-

(३।) रिवारे कमठहरिकृते सूरु-

(४।) मुख्यस्य सनुः । पाराशर्य्या-

(५।) ग्रगोत्रो विविधगुणनुतो नू क्कमा-

(६।) यास्तनूजः प्रादादेकं प्रदीप स्व-

(७।) वृजिनहरणं कावुमेगावुसैज्ञः [।]

(८।) अकल्पं कल्पतां धम्मः कावुमेगावु-

(९।) ना कृतः । याचेहं कूर्म्मनाथेह य-

(१०।) तस्त्वं प्रार्थ्थितात्थदः । स्वन्ति [।।] शकवर्ष वु[लु]

(११।) ११६८ गुनेंटि श्रावण शुद्ध सप्तमियु

(१२।) सौरिवार<2> श्रीकू[र्म्म]नाथुनि-

<1. On a slab to the right of the north gate of this temple.>

<2. The corresponding date is the 21st July, 1246 A. D., Saturday.>

%%p. 133

(१३।) कि पाराशर्य्य गोत्रुंडै सूरु-

(१४।) नायकुनि सूंक्कनायकुरा-

(१५।) लि कोडुकैन कावुमेगांवु एप्पु-

(१६।) डुनु अखडदीपमु चेलु-

(१७।) टकु स[त्सं]त्तसान पुटिपंद्दु-

(१८।) मु भूमि पेट्टु ई धर्म्मवु

(१९।) वैष्णव रक्ष ।।